सरकारी स्कूलों में अनुबंध पर शिक्षक लगाने की तैयारी

कौशल रोजगार निगम करेगा भर्ती, राजकीय विद्यालयों में 46 हजार 459 पद खाली, इनमें 39 हजार से ज्यादा शिक्षक

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : कोरोना संक्रमण कम होने के बाद स्कूलों में नियमित पढ़ाई शुरू हो गई है। वार्षिक परीक्षाएं सिर पर हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के करीब एक तिहाई पद खाली हैं। इससे शिक्षण कार्य बाधित हो रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए प्रदेश सरकार ने पक्की भर्तियां होने तक अनुबंध आधार पर शिक्षक लगाने की योजना बनाई है। कौशल रोजगार निगम के जरिये यह भर्तियां होंगी।

वर्तमान में शिक्षा विभाग में शिक्षकों के 32 प्रतिशत पद खाली हैं। इनमें सबसे ज्यादा ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (टीजीटी) व पोस्ट ग्रेजुएट टीचर (पीजीटी) के पद रिक्त हैं। इतना ही नहीं, स्वीकृत पदों के मुकाबले रिक्तियों में लगातार इजाफा हो रहा है। विधानसभा में भी यह मुद्दा लगातार उठता रहा है। शिक्षा विभाग में नियमित भर्ती न होने के कारण स्कूलों में शिक्षकों की कमी लगातार बढ़ रही है। सबसे ज्यादा टीजीटी के 55 प्रतिशत पद खाली हैं। शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए रोजगार कौशल निगम को अनुबंध आधार पर शिक्षकों की भर्ती करने का जिम्मा दिया गया है। नए सत्र में इसकी शुरुआत हो जाएगी।

शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने बताया कि स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के जरिये भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नियमित भर्ती प्रक्रिया सिरे चढ़ने तक कौशल रोजगार निगम के जरिये अनुबंध आधार पर शिक्षकों की भर्ती की जाएगी ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो।

सरकारी स्कूलों में स्टाफ की स्थिति

पद	स्वीकृत पद	नियमित स्टाफ	अतिथि अध्यापक	कुल स्टाफ	रिक्त पद
प्रिंसिपल	2341	1843	--	1843	498
मुख्य शिक्षक	1071	959	--	959	112
पीजीटी	41,110	24,213	1621	25,834	13,974
टीजीटी/ईएसएचएम	46,794	21,451	4,943	26,394	20,467
पीआरटी	44,272	30,157	5602	35,759	4846
ग्रुप डी	12,408	5746	--	5746	6662
कुल	1,37,896	84,379	12,156	96,535	46,459